This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1590**

Unique Paper Code : **213201** **D**

Name of the Paper : **Sanskrit Literature–II**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

All questions are compulsory.

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

भाग 'क'

1. प्रत्येक खण्ड से **दो-दो** पद्यों की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये : 6+6+6+6=24

Explain with context any *two* of the following from each section :

(क) (*i*) तां देवतापित्रतिथिक्रियार्थम्, अन्वग्ययौ मध्यमलोकपालः।

बभौ च सा तेन सतां मतेन, श्रद्धेव साक्षाद् विधिनोपपन्ना॥

P.T.O.

(ii) पुरस्कृता <u>वर्त्मनि</u> पार्थिवेन प्रत्युद्गता पार्थिवधर्मपत्न्या।

तदन्तरे सा विरराज धेनुः दिनक्षपामध्यगतेव सन्ध्या॥

(iii) स त्वं निवर्तस्व <u>विहाय</u> लज्जां गुरोर्भवान् दर्शितशिष्यभक्तिः।

शस्त्रेण रक्ष्यं यदशक्यरक्षः न तद्यशः शस्त्रभृतां क्षिणोति॥

(iv) क्षतात्किल त्रायत इत्युदग्रः क्षत्रस्य शब्दो भुवनेषु रूढः।

राज्येन किं तद्विपरीतवृत्तेः प्राणैरुपक्रोशमलीमसैर्वा॥

(ख) (i) न नश्यति कृतं कर्म सदा पंचेन्द्रियैरिह।

ते ह्यस्य साक्षिणो नित्यं षष्ठ आत्मा तथैव च॥

(ii) धनं लभेत दानेन मौनेनाज्ञां विशां पते।

उपभोगांश्च तपसा ब्रह्मचर्येण जीवितम्॥

(iii) या दुस्त्यजा दुर्मतिभिर्या न जीर्यति जीर्यतः।

योऽसौ प्राणान्तिको रोगस्तां तृष्णां त्यजतः सुखम्॥

(iv) सर्वे तस्यादृता धर्मा यस्यैते त्रय आदृताः।

अनादृतास्तु यस्यैते सर्वास्तस्याफलाः क्रिया।

2. रघुवंश के द्वितीय सर्ग में वर्णित प्रकृतिसौन्दर्य का विश्लेषण कीजिए। 10

Elaborate the natural beautification exhibited in the second canto of Raghuvansha.

अथवा

(*Or*)

रघुवंश के द्वितीय सर्ग के आधार पर 'उपमा कालिदासस्य' पर एक निबन्ध लिखिये।

Write an essay on 'उपमा कालिदासस्य' on the basis of the second canto of Raghuvansha.

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत में व्याख्या कीजिये : 6

Explain any *one* of the following in Sanskrit :

(*i*) येन येन शरीरेण यद् यत् कर्म करोति यः।
तेन तेन शरीरेण तत् तत् फलमुपाश्नुते॥

(*ii*) येन प्रीणाति पितरं तेन प्रीतः प्रजापतिः।
प्रीणाति मातरं येन पृथिवी तेन पूजिता॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिये : 5+5=10

Explain any *two* of the following :

(क) अजस्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च भवति राज्यसुखसन्निपातनिद्रा।

(ख) अकारणं च भवति दुष्प्रकृतेरन्वयः श्रुतं वा विनयस्य। चन्दनप्रभवो न दहति किमनलः ? किं वा प्रशमहेतुनापि न प्रचण्डतरीभवति बाडवानलो वारिणा ?

(ग) अप्रत्ययबहुला च दिवसान्तकमलमिव समुपचितमूलदण्डकोशमण्डलमपि मुंचति भूभूजम्।

(घ) अनर्थकायासान्तरितविषयोपभोगसुखमित्युपहसन्ति विद्वज्जनम्। जरावैक्लव्यप्रलपितमिति पश्यन्ति वृद्धजनोपदेशम्।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिये : 5+5=10

Translate any *two* of the following :

(क) सर्वैवाऽऽत्मसम्पदभिजनात् प्रभृत्यन्यूनैवात्र<u>भवति</u> लक्ष्यते। बुद्धिश्च निसर्गपट्वी, कलासु नृत्यगीतादिषु चित्रेषु च काव्यविस्तरेषु प्राप्तविस्तारा तवेतरेभ्यः <u>प्रतिविशिष्यते</u>। तथाप्यसावप्रतिपाद्यात्म-संस्कारमर्थशास्त्रेषु अग्निसंशोधितेव हेमजातिर्नातिभाति बुद्धिः। बुद्धिहीनो हि भूभृदत्युच्छ्रितोऽपि परैरारुह्यमाणमात्मानं न चेतयते।

(ख) स 'तथा' इत्यधीते शृणोति च। तत्रैव जरां गच्छति। तत्तु किल शास्त्रं शास्त्रान्तरानुबन्धि। सर्वमेव वाङ्मयं विदित्वा न तत्त्वतोऽधिगम्यते। भवतु कालेन बहुनाल्पेन वा तदर्थाधिगतिः। अधिगतशास्त्रेण चादावेव पुत्रदारमपि न विश्वास्यम्। आत्मकुक्षेरपि कृते तण्डुलैरियद्भिरियानोदनः सम्पद्यते।

(ग) अद्य दृष्टो दुःस्वप्नः, दुःस्थाः ग्रहाः, शकुनानि चाशुभानि। शान्तयः क्रियन्ताम्। सर्वमस्तु सौवर्णमेव होमसाधनम्। एवं सति कर्म गुणवद् भवति। ब्रह्मकल्पा इमे ब्राह्मणाः। कृतमेभिः स्वस्त्ययनं कल्याणतरं भवति। ते चामी कष्टदारिद्र्या बह्वपत्या यज्वानो वीर्यवन्तश्चाद्याप्य-प्राप्तप्रतिग्रहाः।

(घ) न मां स्निग्धं पश्यति, न स्मितपूर्वं भाषते, न रहस्यानि विवृणोति, न **हस्ते** स्पृशति, न व्यसनेष्वनुकम्पते नोत्सवेष्वनुगृह्णाति, न विलोभनवस्तूनि प्रेषयति, न मत्सुकृतानि प्रगणयति, न मे गृहवार्तां पृच्छति, न मत्पक्ष्यान् प्रत्यवेक्षते, न मामासन्नकार्येष्वभ्यन्तरीकरोति, न मामन्तःपुरं प्रवेशयति।

6. विश्रुतचरितम् में प्रवर्तित राजनीति को उद्घाटित कीजिए। 10

Expose the politics, depicted in विश्रुतचरितम्.

अथवा

(*Or*)

शुकनासोपदेश में चित्रित समाज का वर्णन कीजिए।

Describe the society depicted in शुकनासोपदेश.

7. प्रश्न संख्या **1** एवं **5** के किन्हीं **पाँच** रेखाङ्कित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 5

Write grammatical notes on any *five* of the underlined words in Questin No. **1** and **5**.